

अनुक्रमांक/Roll No.

--	--	--	--

**M.P.H.J.S. (L.C.E.) – 2022****प्रथम प्रश्न-पत्र****1<sup>st</sup> QUESTION PAPER**

समय – 2:00 घण्टे

Time – 2:00 Hours

पूर्णांक – 100

Maximum Marks – 100

कुल प्रश्नों की संख्या : 100

Total No. of Questions: 100

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 32

No. of Printed Pages: 32

निर्देश : –

**Instruction :-**

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। All questions are compulsory.
2. सभी प्रश्न के अंक समान हैं। All questions shall carry equal Marks.
3. प्रश्न पत्र में प्रश्नों की निर्धारित संख्या 100 हैं। परीक्षार्थी आश्वस्त हो लें कि उसके प्रश्न-पत्र में निर्धारित संख्या में प्रश्न मुद्रित हैं, अन्यथा वह दूसरा प्रश्न पत्र मांग लें।  
The question paper contains 100 questions. The examinee should verify that the requisite number of questions are printed in the question paper, otherwise he/she should ask for another question paper.
4. प्रश्न पत्र के आवरण पृष्ठ पर प्रश्न-पत्र में लगे पृष्ठों की संख्या दी गई। परीक्षार्थी आश्वस्त हो लें कि उसके प्रश्न-पत्र में निर्धारित संख्या में पृष्ठ लगे हैं, अन्यथा वह दूसरा प्रश्न-पत्र मांग लें।  
The cover page indicates the number of pages in the question paper, the examinee should verify that the requisite number of pages are attached in the question paper, otherwise he/she should ask for another question paper.
5. प्रदत्त उत्तर शीट पर दिये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा अपने उत्तर तदनुसार अंकित करें।  
Read carefully the instructions given on the answer sheet supplied and indicate your answers accordingly.
6. कृपया उत्तरशीट पर निर्धारित स्थानों पर निर्धारित प्रविष्टियां कीजिये, अन्य स्थानों पर नहीं।  
Kindly make the necessary entries on the answer sheet only at the places indicated and nowhere else.
7. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपांतरों में से अंग्रेजी रूपांतर मानक माना जायेगा।  
If there is any sort of mistake either of printing or of factual nature in any question, then out of the Hindi and English versions of the question, the English version will be treated as standard.
8. ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।  
There shall be no negative marking.

**Law Lexicon & Maxims**

- Que.1 'Stare decisis' means :-  
(a) To Stand by things decided.  
(b) The reason for the decision  
(c) a & b both  
(d) None of above
- Que.2 Which of the maxim is related to 'public welfare' :-  
(a) Salus populi suprema lex esto  
(b) Nemo moriturus praesumitur mentire  
(c) Sic Utere tuo ut alienum non laedas  
(d) None of the above
- Que.3 'Vigilantibus non dormientibus, Jura Subveniunt' means :-  
(a) By too much alteration truth is subverted.  
(b) Words ought to be made subservient to the intent, not contrary.  
(c) Things silent are sometimes considered as expressed  
(d) Law assists those who are vigilant and not those who sleep over their rights.
- Que.4 'lex injusta non est lex' means :-  
(a) Roman law.  
(b) An unjust law is not a law.  
(c) An ordeal.  
(d) Injustice.
- Que.5 'Pari passu' means  
(a) At the same rate  
(b) Within limit  
(c) Within power  
(d) Out of paris

**General English**

- Que.6 Pick up the incorrect alternative:-  
The details are :-  
(a) meticulous  
(b) minute  
(c) graphic  
(d) vivid

- Que.7 "Procrastination" means :-  
(a) delaging work  
(b) putting off till other day  
(c) laughing too much  
(d) running here and there
- Que.8 Give an antonym for "SQUANDER" :-  
(a) whisper  
(b) save  
(c) import  
(d) Export
- Que.9 Insert suitable word-  
Have you got .....potatoes left ?  
(a) a few.  
(b) the few.  
(c) few.  
(d) less.
- Que.10 Change the voice.  
Do not insult the weak.  
(a) Let not the weak be insulted.  
(b) Weak not to be insulted.  
(c) Weak be not insulted.  
(d) Let weak be insulted.

### **Basics of Computer**

- Que.11 All of the following are examples of real security and privacy risks EXCEPT :-  
(a) hackers  
(b) spam  
(c) viruses  
(d) identity theft
- Que.12 A string of eight 0s and 1s is called a :-  
(a) megabyte  
(b) byte  
(c) kilobyte  
(d) gigabyte
- Que.13 Processor is mainly divided into three major parts.  
(a) ALU, Control Unit & Memory.

- (b) ALU, Control Unit & RAM.
- (c) Control Unit, Register & RAM.
- (d) RAM, ROM & CD-ROM.

Que.14 One Megabyte is equal to how many kilobyte ?

- (a) 128 KB
- (b) 1024 KB
- (c) 256 KB
- (d) 512 KB

Que.15 Which of the following is an Operating System ?

- (a) Linux
- (b) Word
- (c) Excel
- (d) Tally

### I.P.C., Cr.P.C. & Evidence Act

प्र.क्र.16 'क' एक कोमल वयस के शिशु की मृत्यु कारित करने के आशय से उसे एक निर्जन स्थान में अरक्षित छोड़ देता है। शिशु की मृत्यु नहीं होती है। 'क' इस धारा के अधीन दण्ड का उत्तरदायी है :-

- (अ) 304 भादवि
- (ब) 304ए भादवि
- (स) 307 भादवि
- (द) 308 भादवि

Que. "A" with the intention of causing the death of a child of tender years, exposes it in a desert place. Death of the Child does not ensue. "A" is liable for punishment under Section :-

- (a) 304 IPC
- (b) 304-A IPC
- (c) 307 IPC
- (d) 308 IPC

प्र.क्र.17 'अ' उम्र 21 वर्ष और उसकी प्रेमिका 'ब' 19 वर्ष दोनों आत्महत्या करने को तैयार होते हैं। 'अ', 'ब' की हत्या कर देता है, परंतु हिम्मत टूटने से अपने को नहीं मारता है, 'अ' ने क्या अपराध किया है :-

- (अ) हत्या
- (ब) आपराधिक मानव वध
- (स) आत्महत्या का प्रयत्न
- (द) कोई अपराध नहीं

Que. "A" aged 21 years and his girlfriend "B" aged 19 years agreed to commit suicide. "A" murdered "B" but could not find the courage to



kill himself. What offence has "A" committed :-

- (a) murder
- (b) culpable homicide
- (c) attempt to suicide
- (d) not offence committed

प्र.क्र.18 किस अपराध में आपराधिक मनः स्थिति आवश्यक कारक नहीं है :-

- (अ) हत्या
- (ब) दहेज हत्या
- (स) हत्या का प्रयत्न
- (द) द्विविवाह

Que. In which offence mens rea is not an essential factor :-

- (a) murder
- (b) dowry death
- (c) attempt to murder
- (d) bigamy

प्र.क्र.19 उच्चतम न्यायालय में निम्नलिखित में से किस निर्णय में यह सिद्धांत प्रतिपादित किया कि मृत्युदण्ड "विरलतम में से विरल मामले" में दिया जाये :-

- (अ) रेक्स बनाम गोविन्दा
- (ब) हुसैन आरा खातून बनाम बिहार राज्य
- (स) बचन सिंह बनाम पंजाब राज्य
- (द) सुनील बत्रा बनाम दिल्ली प्रशासन

Que. In which of the following judgment the Hon'ble Supreme Court has propounded theory of "rare of the rarest cases" in imposing death sentence :-

- (a) Rex Vs Govinda
- (b) Hussainara Khatun Vs State of Bihar
- (c) Bachan Singh Vs State of Punjab
- (d) Sunil Batra Vs Delhi Administration

प्र.क्र.20 दोष सिद्ध व्यक्ति द्वारा अपील ऐसे मामले में नहीं होगी, जहाँ प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट केवल ..... रुपये से अनधिक जुर्माने का दंडादेश पारित करता है :-

- (अ) 100 /-
- (ब) 200 /-
- (स) 300 /-
- (द) 250 /-

Que. There shall be no appeal by a convicted person where a Magistrate of the first class passes only a sentence of fine not exceeding Rs .....

- (a) 100/-
- (b) 200/-
- (c) 300/-

(d) 250/-

प्र.क्र.21 निम्न में से किस मामले में अभियोजन के गवाह को झूठा साक्ष्य देने पर अभियोजित किया गया था :-

- (अ) नितीश कटारा मामला
- (ब) प्रियदर्शनी मट्टू का मामला
- (स) जेसिका लाल का मामला
- (द) इनमें से कोई नहीं।

Que. In which of the following case the prosecution witness has been prosecuted for giving false evidence :-

- (a) Nitish Katara case
- (b) Priyadarshani Mattu Case
- (c) Jassica Lal Case
- (d) None of the above

प्र.क्र.22 भारत सरकार की सेवा में सैनिकों, नौसैनिकों या वायु सैनिकों द्वारा विद्रोह और अभित्यजन को दण्डित करने के लिए -

- (अ) भारतीय दण्ड संहिता के प्रावधान लागू होंगे।
- (ब) भारतीय दण्ड संहिता के प्रावधान लागू नहीं होंगे।
- (स) विशेष या स्थानीय विधि के प्रावधान लागू नहीं होंगे।
- (द) संबंधित सेवा के लिये इस हेतु बनाये गये अधिनियम के प्रावधान लागू नहीं होंगे।

Que. For punishing mutiny and desertion of officers, soldiers, sailors or airmen in the service of Govt. of India -

- (a) provisions of I.P.C. shall apply.
- (b) provisions of I.P.C. shall not apply.
- (c) provisions of any Special or Local law shall not apply.
- (d) provisions of the Act enacted for the concerned Service to this effect shall not apply.

प्र.क्र.23 आपराधिक प्रतिनिधिक दायित्व के प्रावधान भारतीय दण्ड संहिता की किन धाराओं में दिये गये हैं ?

- (अ) धारा 34 भा.द.सं.
- (ब) धारा 35 भा.द.सं.
- (स) धारा 37 भा.द.सं.
- (द) उपर्युक्त सभी।

Que. The provisions of criminal vicarious liability are contained in which section of I.P.C.-

- (a) Sec. 34 I.P.C.
- (b) Sec. 35 I.P.C.
- (c) Sec. 37 I.P.C.
- (d) All the above.

प्र.क्र.24 धारा 82 (1) दण्ड प्रक्रिया संहिता की उद्घोषणा के उल्लंघन का अपराध धारा ..... भा. द.सं. के अंतर्गत दण्डनीय होकर ..... अपराध है।

- (अ) 174 क, संज्ञेय
- (ब) 176, असंज्ञेय
- (स) 175, जमानतीय
- (द) 177, अजमानतीय

Que. The offence of violation of proclamation of Section 82(1) CrPC is a \_\_\_\_\_ offence punishable under Section \_\_\_\_\_ IPC

- (a) Cognizable, 174A
- (b) Non-Cognizable, 176
- (c) Bailable, 175
- (d) Non-Bailable, 177

प्र.क्र.25 कौन सा कथन सत्य नहीं है : विशेषज्ञ की साक्ष्य है :-

- (अ) निश्चायक प्रमाण
- (ब) एक सलाहकारी स्वरूप की
- (स) सामान्यतया निश्चायक प्रमाण के रूप में नहीं मानी जाती
- (द) (ब) एवं (स)

Que. Which statement is not true : An expert evidence is :-

- (a) conclusive proof
- (b) of an advisory character
- (c) generally not considered as "conclusive" proof
- (d) (b) and (c)

प्र.क्र.26 जब दण्ड न्यायालय ने एक विचारण में किसी अपराधी को दो या अधिक अपराधों के लिए दोषी पाकर विधिनुसार कारावास की सजा से दण्डित किया है और कारावास की सजा को साथ-साथ भुगताना दण्डादेश में लेख नहीं किया है, तो -

- (अ) दो या अधिक अपराधों में दी गयी सजा साथ-साथ भोगी जायेगी।
- (ब) एक अपराध की सजा भुगतने के बाद दूसरे अपराध की सजा भुगतायी जायेगी।
- (स) दण्ड न्यायालय दण्डादेश के पश्चात् त्रुटि सुधार के रूप में कारावास की दो या अधिक अपराधों की सजाएँ साथ-साथ भुगताना आदेशित कर सकता है।
- (द) दण्ड न्यायालय अपराधी को उच्चतर न्यायालय के समक्ष विचारण के लिए भेजेगा।

Que. Criminal Court having convicted, sentenced the accused according to law for several offences in a single trial and did not mention in the judgment that the punishment of imprisonment shall run concurrently -

- (a) several offences of imprisonment shall run concurrently.
- (b) imprisonment to commence one after the expiration of other.
- (c) criminal court may have option to correct the error and may order that several offences of imprisonment shall run concurrently.
- (d) criminal court shall remand the accused to higher court.

प्र.क्र.27 दं.प्र.सं. की धारा 265—च के अंतर्गत घोषित निर्णय के विरुद्ध ..... का उपचार उपलब्ध है :-

- (अ) अपील
- (ब) पुनरीक्षण
- (स) रिट
- (द) कोई नहीं

Que. The remedy available against judgement declared under Section 265-F of CrPC is -----

- (a) Appeal
- (b) Revision
- (c) Writ
- (d) None of the above

प्र.क्र.28 धारा 98 दं.प्र.सं. .... पर प्रभावशील नहीं है :-

- (अ) 16 वर्षीय बालिका पर
- (ब) 18 वर्षीय बालिका पर
- (स) 20 वर्षीय स्त्री पर
- (द) 16 वर्षीय बालक पर

Que. The provision of Section 98 CrPC is not applicable on -----

- (a) 16 years girl
- (b) 18 years girl
- (c) 20 years woman
- (d) 16 years boy

प्र.क्र.29 दांडिक अपील की अंतिम सुनवाई के समय अपीलार्थी/अभियुक्त की उपस्थिति ..... है :-

- (अ) अनिवार्य
- (ब) अनिवार्य नहीं
- (स) अपराध की गंभीरता पर निर्भर
- (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

Que. Presence of appellant/accused is \_\_\_\_ at the stage of final hearing of criminal appeal

- (a) Mandatory
- (b) Not mandatory
- (c) Depends on the gravity of offence
- (d) None of the above

प्र.क्र.30 साक्ष्य अधिनियम की धारा 113—ए के अंतर्गत उपधारणा है :-

- (अ) खण्डनीय
- (ब) निश्चायक
- (स) आज्ञापक
- (द) वैवेकिक लेकिन खण्डनीय



Que. Presumption under section 113 A of the Indian Evidence Act is :-

- (a) rebuttable
- (b) conclusive
- (c) mandatory
- (d) discretionary but rebuttable

प्र.क्र.31 साक्ष्य अधिनियम की धारा 145 के अंतर्गत क्या प्रतिरक्षा में उपयोग नहीं लाया जा सकता:-

- (अ) धारा 161 द.प्र.सं. के अंतर्गत कथन
- (ब) धारा 164 द.प्र.सं. के अंतर्गत कथन
- (स) प्रथम सूचना रिपोर्ट
- (द) जॉच आयोग के समक्ष दिया कथन

Que. Under Section 145 of the Indian Evidence Act which cannot be used by defence :-

- (a) statement u/s 161 CrPC
- (b) statement u/s 164 CrPC
- (c) first information report
- (d) statement given before Enquiry Commission

प्र.क्र.32 किसी विशिष्ट साक्षी के पूर्व कथन को संपोषण हेतु उपयोग में लाया जा सकता है :-

- (अ) किसी अन्य साक्षी की साक्ष्य जो विचारण न्यायालय के समक्ष परीक्षित हुआ हो
- (ब) केवल उसका स्वयं का साक्ष्य
- (स) उसके स्वयं के साक्ष्य के साथ-साथ अन्य साक्षियों का साक्ष्य
- (द) अन्य पक्ष का साक्ष्य

Que. Previous statement of a particular witness can be used to corroborate :-

- (a) Evidence of other witness examined before the trial Court
- (b) only his own evidence
- (c) his own evidence as well as evidence of other witnesses
- (d) evidence of other side

प्र.क्र.33 कौन सा कथन सही नहीं है : परिस्थितियाँ स्वयं बोलती हैं का सिद्धांत :-

- (अ) सिविल प्रकरणों में प्रयोज्य है
- (ब) मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों में प्रयोज्य है
- (स) दुर्घटना के आपराधिक प्रकरणों में भी प्रयोज्य है
- (द) दुर्घटना के आपराधिक प्रकरणों में प्रयोज्य नहीं है

Que. Which statement is not correct : Doctrine of "Res ipsa loquitur" is:-

- (a) applicable to civil case
- (b) applicable in Motor Accident Claim cases
- (c) also applicable to criminal cases of accident
- (d) not applicable to criminal cases of accident

प्र.क्र.34 भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 27 की व्यावृत्ति एवं परिधि को ..... में वर्णित किया गया है :-



- (अ) सीता राम बनाम स्टेट ए.आई.आर. 1966 एस.सी. 1906
- (ब) मधु बनाम स्टेट ए.आई.आर. 2012 एस.सी. 664
- (स) स्टेट ऑफ महाराष्ट्र बनाम भरत फकीरा धीवर ए.आई.आर. 2002 एस.सी. 16
- (द) पुलुकुरी काट्टाया बनाम एम्परर ए.आई.आर. 1947 पी.सी. 67

Que. The scope and ambit of Section 27 of the Indian Evidence Act has been stated in :-

- (a) Sita Ram Vs State AIR 1966 SC 1906
- (b) Madhu Vs State AIR 2012 SC 664
- (c) State of Maharastra Vs Bharat Fakira Dhiwar AIR 2002 SC 16
- (d) Pulukuri Kottaya Vs Emperor, AIR 1947 PC 67

प्र.क्र.35 भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के प्रावधान निम्नलिखित में से किस पर लागू नहीं होते हैं—

- (अ) कोर्ट मार्शल।
- (ब) राजस्व न्यायालय के समक्ष न्यायिक कार्यवाहियाँ।
- (स) न्यायालय द्वारा नियुक्त कमीशनर के समक्ष कार्यवाहियाँ।
- (द) मध्यस्थ के समक्ष की गयी कार्यवाहियाँ।

Que. The provisions of Indian Evidence Act, 1872 shall not apply to --

- (a) Court Martial.
- (b) Judicial proceedings before Revenue Court.
- (c) Proceedings before the Commissioner appointed by the Court.
- (d) Proceedings before an Arbitrator.

प्र.क्र.36 एक व्यक्ति के द्वारा एक महिला के साथ बलात्संग करने के आशय से उस पर हमला किया गया, जिसमें वह बेहोश हो गयी तथा उस हालत में हमलावर उसे घसीटता हुआ सामने स्थित कुएं में फेंकने के लिए ले जा रहा था, उसी समय एक अन्य महिला ने यह कृत्य देखा, तो उसने हमलावर को रोकने का प्रयास किया, जिस पर हमलावर रुका नहीं, तो उसे लगा कि वह पीड़िता को कुएं में फेंक ही देगा, तब उस महिला ने हमलावर पर पत्थर से उसके सिर पर वार किया, जिससे उसके सिर में चोट लगने से हमलावर की मृत्यु हो गयी, तो ऐसी स्थिति में—

- (अ) वह महिला प्रायवेट प्रतिरक्षा की अधिकारी नहीं है।
- (ब) वह महिला प्रायवेट प्रतिरक्षा की अधिकारी है।
- (स) वह महिला हत्या के अपराध की दोषी होगी।
- (द) उसे एक किलोमीटर दूर स्थित पुलिस थाना से मदद मांगनी चाहिए थी।

Que. A person made assault on a woman with an intention of committing rape, in which she got unconscious and in such condition, the attacker was dragging her body, in order to throw her in the nearby well at the same time, an another woman saw the said acts and she tried to stop the attacker, but the attacker did not stop, then she apprehended that the person must throw the woman in the well, then that another woman hit that person with a stone on his head, consequently the attacker died due to head injury, in such circumstances --

- (a) that another woman is not entitled to right of private defence.
- (b) that another woman is entitled to right of private defence.
- (c) she would be guilty of murder.
- (d) she should seek assistance from the police station situated 1 km away.

प्र.क्र.37 धारा 112 साक्ष्य अधिनियम में उल्लेखित अवधि है :-

- (अ) 250 दिन
- (ब) 260 दिन
- (स) 270 दिन
- (द) 280 दिन

Que. Period described in section 112 Evidence act is -----

- (a) 250 days
- (b) 260 days
- (c) 270 days
- (d) 280 days

प्र.क्र.38 रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के निष्पादन का निष्पादक द्वारा प्रत्याख्यान नहीं होने पर उसे साबित करने के लिए साक्षी का बुलवाना आवश्यक नहीं है। यह प्रावधान ..... में उल्लेखित है :-

- (अ) धारा 63 भारतीय साक्ष्य अधिनियम
- (ब) धारा 64 भारतीय साक्ष्य अधिनियम
- (स) धारा 66 भारतीय साक्ष्य अधिनियम
- (द) धारा 68 भारतीय साक्ष्य अधिनियम

Que. It is not necessary to call a witness of a registered sale deed when there is no denial of execution by the executor. This provision is described under -----

- (a) Section 63 of Indian Evidence Act
- (b) Section 64 of Indian Evidence Act
- (c) Section 66 of Indian Evidence Act
- (d) Section 68 of Indian Evidence Act

प्र.क्र.39 प्रत्येक दांडिक अपील का अपीलार्थी/अभियुक्त की मृत्यु पर उपशमन हो जाता है। यह कथन .....

- (अ) सही है
- (ब) गलत है
- (स) अपील न्यायालय पर निर्भर है
- (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

Que. Every criminal appeal abates on the death of appellant/accused. This statement is

- (a) True

- (b) False
- (c) Depends on appellate court
- (d) None of the above

प्र.क्र.40 पुनरीक्षण की शक्तियों का प्रयोग ..... नहीं किया जा सकता है :-  
 (अ) अपील में पारित अंतरवर्तीय आदेश  
 (ब) जांच में पारित अंतरवर्तीय आदेश  
 (स) विचारण में पारित अंतरवर्तीय आदेश  
 (द) उपरोक्त सभी

Que. Power of revision can not be exercised .....  
 (a) Interlocutory order passed in appeal  
 (b) Interlocutory order passed in inquiry  
 (c) Interlocutory order passed in trial  
 (d) All of the above

### C.P.C., T.P. Act & Contract Act

प्र.क्र.41 बैंक गारण्टी के विरुद्ध व्यादेश प्रदान किया जाता है, जहाँ :-  
 (अ) वादी को अपूर्णनीय क्षति की संभावना हो  
 (ब) वादी के पक्ष में सुविधा का संतुलन हो  
 (स) बैंक गारण्टी कपटपूर्वक प्राप्त की गई हो  
 (द) उपरोक्त सभी विद्यमान हों

Que. Injunction against Bank Guarantee is granted, where :-  
 (a) there is probability of irreparable loss to the plaintiff  
 (b) there is balance of convenience in favour of plaintiff  
 (c) Bank Guarantee is obtained by fraud  
 (d) all the above are present

प्र.क्र.42 आदेश 21 नियम 90 व्य.प्र.सं. के अंतर्गत किसी विक्रय को अपास्त किये जाने हेतु आवेदन करने का कोई अधिकार नहीं है :-  
 (अ) डिक्रीधारक को  
 (ब) क्रेता को  
 (स) (अ) एवं (ब) दोनों  
 (द) निर्णीत ऋणी

Que. For setting aside the sale under Order 21 Rule 90 CPC who has no locus standi to file application :-  
 (a) the decree holder  
 (b) the purchaser  
 (c) both (a) and (b)  
 (d) judgment debtor

प्र.क्र.43 जब न्यायालय द्वारा आदेश 7 नियम 10 व्य.प्र.सं. के अंतर्गत वाद की वापसी का आदेश



दिया जाता है तो वह आदेश है :-

- (अ) धारा 96 के अंतर्गत अपील योग्य
- (ब) आदेश 43 नियम 1 के अंतर्गत अपील योग्य
- (स) अपील योग्य नहीं
- (द) पुनरीक्षण योग्य

Que. When an order is made by court for returning a plaint under Order 7 Rule 10 CPC, the order is :-

- (a) Appealable under Sec 96
- (b) Appealable under Order 43 Rule 1
- (c) Not appealable
- (d) Can be assailed in revision

प्र.क्र.44 न्यायालय पक्षकारों को, वैकल्पिक विवाद समाधान के एक तरीके को चुनने का निर्देश सिविल प्रक्रिया संहिता के इस प्रावधान के अंतर्गत दे सकता है :-

- (अ) आदेश 10 नियम 1ए
- (ब) आदेश 10 नियम 2
- (स) आदेश 10 नियम 3
- (द) आदेश 10 नियम 1

Que. Court can direct the parties to opt for any one mode of alternative dispute resolution under ---- of CPC :-

- (a) order X rule 1A
- (b) order X rule 2
- (c) order X rule 3
- (d) order X rule 1

प्र.क्र.45 निम्नलिखित में से किस पर पूर्व न्याय का सिद्धांत लागू होगा -

- (अ) वर्तमान वाद के वादप्रश्न पूर्ववर्ती वाद के समान थे और पूर्ववर्ती वाद का गुण-दोष पर न्यायालय द्वारा निर्णय दिया जा चुका है।
- (ब) पूर्ववर्ती वाद में वादी द्वारा प्रतिवादी के विरुद्ध अभिवचन किये गये, परंतु बाद विधिवत् तामिली, प्रतिवादी के अनुपस्थित रहने से उसके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की गयी।
- (स) पूर्ववर्ती वाद में वादी द्वारा अभियोजित करने का एक आधार छोड़ दिया गया था और हस्तगत वाद में वह आधार विवाद्यक नहीं है।
- (द) उपर्युक्त सभी।

Que. The principle of res judicata shall apply to which of the following-

- (a) the suit in which issues are similar to the earlier suit and earlier suit was disposed of delivering judgment on its merit.
- (b) plaintiff pleaded against defendant in earlier suit, however, after due service, defendant declared ex-parte due to non appearance.
- (c) the plaintiff relinquished one of the grounds of prosecution in earlier suit, but the same is not in issue in the present suit.
- (d) All the above.

- प्र.क्र.46 राज्य के विरुद्ध पारित डिक्री के निष्पादन का आदेश ..... जारी नहीं किया जा सकता :-  
 (अ) डिक्री दिनांक से 6 माह तक  
 (ब) डिक्री दिनांक से 12 माह तक  
 (स) डिक्री दिनांक से 3 माह तक  
 (द) डिक्री दिनांक से 9 माह तक
- Que. Order for execution of decree passed against the State can not be issued -----  
 (a) upto 6 months from the date of decree  
 (b) upto 12 months from the date of decree  
 (c) upto 3 months from the date of decree  
 (d) upto 9 months from the date of decree
- प्र.क्र.47 "मध्यवर्ती लाभ" की परिभाषा व्य.प्र.स. की निम्न में से किस धारा में की गई है ?  
 (अ) धारा 2(4)  
 (ब) धारा 2(8)  
 (स) धारा 2(12)  
 (द) धारा 2(14)
- Que. "Mesne profits" has been defined in which of the following sections of the CPC ?  
 (a) Section 2(4)  
 (b) Section 2(8)  
 (c) Section 2(12)  
 (d) Section 2(14)
- प्र.क्र.48 आन्वयिक पूर्व-न्याय ..... में धारित है—  
 (अ) धारा 11 स्पष्टीकरण 3  
 (ब) धारा 11 स्पष्टीकरण 4  
 (स) धारा 11 स्पष्टीकरण 6  
 (द) धारा 11 स्पष्टीकरण 7
- Que. Constructive res judicata is contained in .....  
 (a) Explanation III to Section 11  
 (b) Explanation IV to Section 11  
 (c) Explanation VI to Section 11  
 (d) Explanation VII to Section 11
- प्र.क्र.49 आज्ञापत्र है :  
 (अ) डिक्री का अंतरण  
 (ब) अन्य सक्षम-न्यायालय को निर्णीत-ऋणी की किसी सम्पत्ति को कुर्क कर लेने का आदेश  
 (स) डिक्री का निष्पादन है  
 (द) उपर्युक्त सभी



Que. Precept is:

- (a) a transfer of the decree
- (b) an order to another competent court to attach any property of the judgment debtor
- (c) an execution of decree
- (d) all the above

प्र.क्र.50 न्यायालयों ने निम्नलिखित में से किसको स्थावर सम्पत्ति के रूप में मान्यता नहीं दी है :-

- (अ) मार्ग का अधिकार
- (ब) स्थावर सम्पत्ति के भाटक वसूल करने का अधिकार
- (स) पूजा का अधिकार
- (द) मछली — पकड़ने का अधिकार

Que. Among the following which has not been recognized by courts as immovable property :-

- (a) Right of way
- (b) Right to collect rent of immovable property
- (c) A right of worship
- (d) Right to fishery

प्र.क्र.51 यदि दानगृहिता की दान प्रतिगृहण करने से पहले मृत्यु हो जाती है, तो ऐसा दान —

- (अ) वैध है।
- (ब) शून्य है।
- (स) शून्यकरणीय है।
- (द) दानगृहिता के विधिक प्रतिनिधिगण द्वारा प्रतिगृहण किया जा सकता है।

Que. If the donee dies before acceptance of gift, such donation is-

- (a) valid.
- (b) void.
- (c) voidable.
- (d) acceptance may be made by legal representative of donee.

प्र.क्र.52 किसी जीवित व्यक्ति द्वारा स्वयं को संपत्ति का अंतरण किया जाना प्रावधानित है :-

- (अ) धारा 5 संपत्ति अंतरण अधिनियम
- (ब) धारा 6 संपत्ति अंतरण अधिनियम
- (स) धारा 52 संपत्ति अंतरण अधिनियम
- (द) धारा 54 संपत्ति अंतरण अधिनियम

Que. The provision for transfer of property by a living person to himself is provided in -----

- (a) Section 5 TP Act
- (b) Section 6 TP Act
- (c) Section 52 TP Act
- (d) Section 54 TP Act

प्र.क्र.53 दान की स्वीकृति अवधि है

- (अ) दाता के जीवनकाल में
- (ब) जब तक दाता दान देने के लिए समर्थ हो
- (स) दाता के जीवनकाल में और जब तक वह देने के लिए समर्थ हो
- (द) इनमें से कोई नहीं

Que. Acceptance period for Gift is

- (a) In lifetime of the donor
- (b) Until the donor is capable of giving gift
- (c) During the lifetime of the donor and while he is still capable of giving
- (d) None of the above

प्र.क्र.54 निम्न में से कौन सा हित अंतरित नहीं किया जा सकता है ?

- (अ) निहित हित
- (ब) समाश्रित हित
- (स) संभाव्य उत्तराधिकार
- (द) पट्टे का हित

Que. Which of the following interests is not transferable ?

- (a) Vested interest
- (b) Contingent interest
- (c) Spes-successionis
- (d) Interest of lessee

प्र.क्र.55 तत्प्रतिकूल संविदा या स्थानीय विधि या प्रथा न हो तो विनिर्माण के प्रयोजन के लिये स्थावर संपत्ति का पट्टा समझा जावेगा –

- (अ) वर्षानुवर्षी पट्टा
- (ब) मासानुमासी पट्टा
- (स) 2 वर्ष की न्यूनतम अवधि के लिये पट्टा
- (द) 3 वर्ष की न्यूनतम अवधि के लिये पट्टा

Que. In the absence of contract or local laws or usage, a lease of immovable property for manufacturing purposes shall be deemed to be :-

- (a) a lease for year to year
- (b) a lease for month to month
- (c) a lease for minimum term of 2 years
- (d) a lease for the minimum term of 3 years

प्र.क्र.56 धारा 4, भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 के तहत प्रस्थापना की संसूचना पूर्ण हो जाती है जब—

- (अ) किसी प्रस्ताव की संसूचना तब पूरी हो जाती है, जब प्रस्ताव के बारे में पत्र उस व्यक्ति, जिससे प्रस्ताव किया गया है, के ज्ञात पते पर डाक में डालने के लिए भिजवा दिया जाता है।
- (ब) जब ऐसा पत्र उस व्यक्ति के सेवक को प्राप्त हो जाता है।

- (स) जब प्रस्थापना उस व्यक्ति जिससे प्रस्ताव किया गया, के ज्ञान में आ जाती है।
- (द) जब उक्त प्रस्ताव को ऐसे व्यक्ति के माध्यम से सूचना के लिए भेजा गया, जिसकी रास्ते में मृत्यु हो गयी।

Que. Under section 4 of the Indian Contract Act, 1872, Communication of proposal is complete when-

- (a) The communication of any proposal is complete, when letter about the proposal has been sent for posting in the dak on his known address to the person to whom the proposal is made.
- (b) When such letter has been received by the servant of that person.
- (c) When the proposal comes to the knowledge of the person to whom proposal is made.
- (d) When the proposal was sent through the person who died on the way.

प्र.क्र.57 जहां संविदा के दोनों पक्षकार ऐसे तथ्य की बात के बारे में, जो करार के लिये मर्मभूत है, की भूल में हों, वहां करार ..... :-

- (अ) शून्य होती है
- (ब) शून्यकरणीय होती है
- (स) अप्रवर्तनीय होती है
- (द) प्रवर्तनीय होती है

Que. Where both the parties to an agreement are under a mistake as to a matter of fact essential to the agreement, the agreement is

- (a) Void
- (b) Voidable
- (c) Un-enforceable
- (d) Enforceable

प्र.क्र.58 "संविदा की गोपनीयता" का सिद्धांत इसमें प्रथम बार लागू किया गया था—

- (अ) ड्यूटन बनाम पूल, (1678) 2 एलईवी 210
- (ब) ट्वीडल बनाम एटकिनसन, (1861) 121 ईआर 762
- (स) प्राईस बनाम ईस्टन, (1833) 4 बी एंड एडी 433
- (द) जार्डन बनाम जार्डन, (1594) क्रो एलीज 369

Que. The doctrine of "Privity of Contract" was for the first time applied in:

- (a) Dutton v. Poole, (1678) 2 Lev 210
- (b) Tweddle v. Atkinson, (1861) 121 ER 762
- (c) Price v. Easton, (1833) 4 B&Ad 433
- (d) Jordan v. Jordan, (1594) Cro Eliz 369

प्र.क्र.59 निम्न में से कौन सा एक मामला "वचन विबंधन" से संबंधित है ?

- (अ) केदारनाथ बनाम गौरी मोहम्मद, आई.एल.आर. (1886) 14 कल. 64
- (ब) लालमन शुक्ला बनाम गौरी दत्त, 1913 एस.सी.सी. ऑनलाईन ऑल 242
- (स) ट्वीडल बनाम एटकिनसन, (1861) 121 ईआर. 762



- (द) दुर्गा प्रसाद बनाम बलदेव, 1880 एस.सी.सी. ऑनलाईन ऑल 122
- Que. Which one of the following case deals with “promissory estoppels” ?
- (a) Kedarnath v. Gorie Mohammad, ILR (1886) 14 Cal 64
- (b) Lalman Shukla v. Gauri Datt, 1913 SCC Online All 242
- (c) Tweddle v. Atkinson, (1861) 121 ER 762
- (d) Durga Prasad v. Baldeo, 1880 SCC Online All 122
- प्र.क्र.60 सुनवाई की समाप्ति और निर्णय सुनाने के पूर्व एकमात्र वादी की मृत्यु हो जाने पर आदेश 22 नियम 6 व्य.प्र.स. के अंतर्गत वाद—
- (अ) उपशमित हो जावेगा
- (ब) उपशमित नहीं होगा
- (स) वाद का उपशमन मामले की परिस्थितियों पर निर्भर करेगा
- (द) पक्षकारों के विधिक प्रतिनिधियों को सुने बिना वाद उपशमित नहीं हो सकता
- Que. Sole plaintiff died after hearing but before pronouncement of judgment, under order 22 rule 6 CPC suit will
- (a) abate.
- (b) not abate.
- (c) abatement of suit depends upon the circumstances.
- (d) the suit cannot abate without hearing legal heir of parties.

### Specific Relief Act

- प्र.क्र.61 कौन सी बात सही है—
- (अ) विल, व्यवस्थापन की एक लिखत है।
- (ब) विनिर्दिष्ट स्थावर सम्पत्ति/जंगम सम्पत्ति के कब्जे का हकदार व्यक्ति सिविल प्रक्रिया संहिता प्रक्रिया द्वारा उपबंधित प्रकार से कब्जा वापस प्राप्त कर सकता है।
- (स) यदि कोई व्यक्ति उसकी सहमति के बिना अवैध रूप से सरकार को छोड़कर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थावर सम्पत्ति से बेकब्जा कर दिया जाये, तो वह बेकब्जा किये जाने की तारीख से एक वर्ष के अवसान के पूर्व कब्जा वापस प्राप्त करने के लिए वाद दायर कर सकता है।
- (द) सरकार के द्वारा किसी व्यक्ति को स्थावर सम्पत्ति से बेकब्जा कर दिया जाये, तो सरकार के विरुद्ध ऐसा कब्जा प्राप्ति का वाद बेकब्जा किये जाने की तारीख से 6 माह के अवसान के पूर्व दायर किया जा सकता है।
- Que. Which statement is correct-
- (a) Will, is an instrument of settlement.
- (b) The person entitled to possession of specific immovable property/movable property may recover it as per the provisions provided in Civil Procedure Code.
- (c) If any person is dispossessed by any other person except the Government, without his consent, he may file a suit for possession before the expiration of 1 year from the date of his dispossession.
- (d) If any person is dispossessed from immovable property by the

Government then suit for possession against Government may lie before the expiration of 6 months from the date of his dispossession.

प्र.क्र.62 विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम के अंतर्गत प्रस्तुत वाद के निपटारे की अधिकतम अवधि होगी :-

- (अ) समस तामील से 6 माह
- (ब) समस तामील से 9 माह
- (स) समस तामील से 12 माह
- (द) समस तामील से 18 माह

Que. The maximum period of disposal of suit filed under the Specific Relief Act shall be

- (a) 6 month from the date of service of summon
- (b) 9 month from the date of service of summon
- (c) 12 month from the date of service of summon
- (d) 18 month from the date of service of summon

प्र.क्र.63 जहाँ कि कोई लिखत विभिन्न अधिकारों या विभिन्न बाध्यताओं का साक्ष्य हो, वहाँ न्यायालय, उचित मामले में, उसे भागतः रद्द कर सकेगा और अवशिष्ट को बना रहने दे सकेगा। यह उपबंध विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम की ..... में उपबंधित है

- (अ) धारा 21
- (ब) धारा 32
- (स) धारा 42
- (द) धारा 40

Que. Where an instrument is evidence of different rights or different obligations, the court may, in a proper case, cancel it in part and allow it to stand for the residue. This provision is provided in the Specific Relief Act under :

- (a) Section 21
- (b) Section 32
- (c) Section 42
- (d) Section 40

प्र.क्र.64 विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 की धारा 16 (ग) के अंतर्गत संविदा का विनिर्दिष्ट पालन चाहने कि लिये निम्न में से किस एक को साबित करना होगा –

- (अ) तैयार और रजामंद रहना।
- (ब) मानसिक क्षमता
- (स) संविदा के लिये प्रतिफल
- (द) परिसीमा

Que. Under Section 16(c) of the Specific Relief Act, 1963, which one of the following has to be proved to seek specific performance of a contract ?

- (a) Ready and willing



- (b) Mental capacity
- (c) Consideration for the contract
- (d) Limitation

प्र.क्र.65 विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम की धारा 41 के अंतर्गत व्यादेश नामंजूर नहीं किया जा सकता है ?

- (अ) किसी व्यक्ति को किसी विधायी निकाय के समक्ष आवेदन करने से अवरुद्ध करने को।
- (ब) जहां कि उस वास्तविक नुकसान का, जो उस आक्रमण द्वारा कारित है या जिसका उस आक्रमण द्वारा कारित होना संभाव्य है, अभिनिश्चय करने के लिए कोई मानक विद्यमान न हो।
- (स) किसी व्यक्ति को किसी आपराधिक मामले में कोई कार्यवाही संस्थित या अभियोजित करने से अवरुद्ध करने को।
- (द) ऐसी संविदा का भंग निवारित करने को जिसका विनिर्दिष्टतः पालन प्रवर्तनीय नहीं है।

Que. Under section 41 of S.R.A., the injunction cannot be refused ?

- (a) To restrain any person from applying to any legislative body.
- (b) Where there exists no standard for ascertaining the actual damage caused, or likely to be caused by the invasion.
- (c) To restrain any person from instituting or prosecuting any proceeding in a criminal matter.
- (d) To prevent the breach of a contract the performance of which would not be specifically enforced.

### N.D.P.S. Act

प्र.क्र.66 अधिनियम की धारा 42 के प्रावधान प्रयोज्य नहीं होते हैं —

- (अ) अकस्मात् बरामदगी पर
- (ब) तलाशी, उस स्थान में जहाँ कोई मामूली तौर पर निवास करता है।
- (स) तलाशी होटल के एक कमरे की
- (द) तलाशी एक ट्रक की, एक लोक स्थान पर सूर्यास्त एवं सूर्योदय के मध्य

Que. Provision of Section 42 of the Act are not applicable to :-

- (a) chance recovery
- (b) search in a place of ordinary residence
- (c) search in a room of hotel
- (d) search of a truck at a public place between sunrise and sunset.

प्र.क्र.67 यह सिद्धांत कि दं.प्र.सं. की धारा 167 (2) का परंतुक अधिनियम के अंतर्गत अपराधों पर लागू होगा, प्रतिपादित किया गया था —

- (अ) भारत संघ वि. थामी शरासी में
- (ब) मनोज वि. म.प्र. राज्य में
- (स) पंजाब राज्य वि. बलवीर सिंह में
- (द) हिमाचल प्रदेश राज्य वि. पवन कुमार में

Que. The principle that proviso to section 167(2) of the Act would be applicable to the offence under the Act, was laid down in :-

- (a) Union of India Vs. Thamisharasi
- (b) Manoj Vs state of M.P.
- (c) State of Punjab Vs Balbir Singh
- (d) State of H.P. Vs Pawan Kumar

प्र.क्र.68 ..... के अंतर्गत पारित दण्डादेश निलंबित किया जा सकता है :-

- (अ) धारा 18
- (ब) धारा 20
- (स) धारा 22
- (द) धारा 27

Que. Sentence passed under \_\_\_\_\_ may be suspended

- (a) Section 18
- (b) Section 20
- (c) Section 22
- (d) Section 27

प्र.क्र.69 इस अधिनियम में अभियुक्त को परिवीक्षा अधिनियम, 1958 का लाभ दिया जा सकता है, यदि अभियुक्त .....

- (अ) 18 वर्ष से कम आयु का है
- (ब) धारा 26 के अपराध के लिए दोषसिद्ध है
- (स) अ और ब दोनों
- (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

Que. The benefit of the Probation of Offender's Act, 1958 may be given to the accused, if accused is .....

- (a) Below 18 years of age
- (b) Convicted for the offence under Section 26
- (c) Both a and b
- (d) None of the above

### Limitation Act

प्र.क्र.70 अधिनियम की धारा 12 के अंतर्गत किसी वाद, अपील या आवेदन के परिसीमा काल की संगणना करने में निम्नलिखित को अपवर्जित नहीं किया जावेगा -

- (अ) वह दिन जिस पर परिवादित निर्णय सुनाया गया।
- (ब) डिक्री या आदेश जिसके विरुद्ध अपील की जाती है या उसका पुनरीक्षण या पुनर्विलोकन इप्सित हैं, कि प्रतिलिपि अभिप्राप्त करने के लिये अपेक्षित समय।
- (स) वह दिन जिससे ऐसे परिसीमा काल की गणना की जानी है।
- (द) वह दिन जिस पर वाद, अपील या आवेदन प्रस्तुत किया जाना है।

Que. The following would not be excluded while computing the period of limitation for any suit, appeal or application as per Section 12 of the Act :-

- (a) the day on which the judgment challenged was pronounced.
- (b) the time requisite for obtaining a copy of the decree or order appealed from for sought to be revised or reviewed
- (c) the day from which such period of limitation is to be reckoned
- (d) the day on which the suit or appeal or application is to be presented.

प्र.क्र.71 जहां वादी, उस समय जबसे विहित काल की गणना की जानी है, अपनी निर्योग्यता का अंत होने के पूर्व किसी दूसरी निर्योग्यता से ग्रस्त हो जाए, वहां वादी कब वाद संस्थित कर सकेगा—

- (अ) एक निर्योग्यता का अंत होने के पश्चात् उतने ही काल के भीतर वाद संस्थित कर सकेगा, जितना अन्यथा ऐसे विनिर्दिष्ट समय से अनुज्ञात होता।
- (ब) दोनों निर्योग्यताओं का अंत होने के पश्चात् उतने ही काल के भीतर वाद संस्थित कर सकेगा, जितना अन्यथा ऐसे विनिर्दिष्ट समय से अनुज्ञात होता।
- (स) 12 वर्ष के भीतर जब दूसरी निर्योग्यता समाप्त हो जाए।
- (द) 3 वर्ष के भीतर जब पहली निर्योग्यता समाप्त हो जाए।

Que. Where the plaintiff is, at the time from which the prescribe period is to be reckoned, before his disability has ceased, he is affected by another disability, when he may institute the suit ?

- (a) after cessation of one disability, as would otherwise have been allowed from the time so specified.
- (b) within the same period after both disabilities have ceased, as would otherwise have been allowed from the time so specified.
- (c) within 12 years when second disability ceased.
- (d) within 3 years when first disability ceased.

प्र.क्र.72 धारा 5 का प्रावधान ..... पर लागू नहीं होता है :-

- (अ) आदेश 11 सी.पी.सी.
- (ब) आदेश 19 सी.पी.सी.
- (स) आदेश 26 सी.पी.सी.
- (द) आदेश 21 सी.पी.सी.

Que. The provision of Section 5 of the Act is not applicable on \_\_\_\_\_ CPC

- (a) Order XI
- (b) Order XIX
- (c) Order XXVI
- (d) Order XXI

### **Negotiable Instrument Act**

प्र.क्र.73 यह सिद्धांत कि कोई पानेवाला किसी अनादृत चेक को उसकी विधिमान्य रहने की अवधि के अंदर अनुक्रमशः प्रस्तुत कर सकता है, अभिनिर्धारित किया गया है :-

- (अ) प्रेमचंद विजय कुमार वि यशपाल सिंह में
- (ब) के भास्करन वि संकरन वैद्यन बालन में
- (स) गोआप्लास्ट प्राई. लिमि. वि चिको उर्सूला डिसूजा में
- (द) आई.सी.डी.एस. वि बीना शबीर में

Que. The principle that a payee can successively present a dishonored cheque during the period of its validity has been laid down in :-

- (a) Premchand Vijay Kumar Vs. Yashpal Singh
- (b) K. Bhaskaran Vs. Sankaran Vaidhyan Balan
- (c) Goaplast Pvt. Ltd. Vs Chico Ursula D'Souza
- (d) I.C.D.S. Ltd Vs Beena Shabeer

प्र.क्र.74 धारा 143 क परकाम्य लिखत अधिनियम के अंतर्गत अंतरिम प्रतिकर की अधिकतम मात्रा है:-

- (अ) चेक राशि का 5 प्रतिशत
- (ब) चेक राशि का 10 प्रतिशत
- (स) चेक राशि का 15 प्रतिशत
- (द) चेक राशि का 20 प्रतिशत

Que. Maximum quantum of interim compensation under Section 143A of Negotiable Instrument Act is -----

- (a) 5% of cheque amount
- (b) 10% of cheque amount
- (c) 15% of cheque amount
- (d) 20% of cheque amount

प्र.क्र.75 दामोदर एस. प्रभू वि. सैय्यद बाबा लाल एच. मामले के अनुसार सेशन न्यायालय के समक्ष चेक अनादरण के मामले में समझौता खर्च होगा-

- (अ) चेक राशि का 5%
- (ब) चेक राशि का 10%
- (स) चेक राशि का 15%
- (द) चेक राशि का 20%

Que. According to case of Damodar S. Prabhu v. Sayed Baba Lal H., the compounding cost in a case of dishonor of cheque before the Session Court is-

- (a) 5% of cheque amount
- (b) 10% of cheque amount
- (c) 15% of cheque amount
- (d) 20% of cheque amount

### **M.P. Land Revenue Code**

प्र.क्र.76 निम्नलिखित में से किस विषय के संबंध में सिविल न्यायालय की अधिकारिता अपवर्जित नहीं है :-



- (अ) शासकीय पट्टाधारी की बेदखली
- (ब) मौरुसी कृषक को कब्जे का वापस दिलाया जाना
- (स) निस्तार पत्रक में की गई किसी प्रविष्टि को उपांतरित कराने के लिये कोई दावा
- (द) खाते का विभाजन

Que. In respect of which of the following matter, jurisdiction of the Civil Court is not excluded :-

- (a) Ejectment of a government lessee
- (b) Restoration of possession to an occupancy tenant
- (c) Any claim to modify any entry in the Nistar – Patrak
- (d) Partition of holding.

प्र.क्र.77 म.प्र.भू.रा.सं. की धारा 164 के अंतर्गत भू-स्वामी की मृत्यु होने पर उसके हित का न्यायगमन नहीं हो सकता है –

- (अ) उत्तराधिकार से
- (ब) उत्तर जीविता से
- (स) दान से
- (द) विक्रय से

Que. Under section 164 of M.P.L.R.C., the devolution of interest of Bhumi Swami shall, on his death cannot take place by

- (a) Inheritance
- (b) Survivorship
- (c) Bequest
- (d) Sale

प्र.क्र.78 म.प्र. भू-राजस्व संहिता की धारा 250-बी के अंतर्गत अपराध है –

- (अ) असंज्ञेय एवं जमानतीय
- (ब) संज्ञेय एवं अजमानतीय
- (स) संज्ञेय एवं जमानतीय
- (द) असंज्ञेय एवं अजमानतीय

Que. The offence under Sec. 250-B of M.P. Land Revenue Code is -

- (a) Non-cognizable and bailable
- (b) Cognizable and non-bailable
- (c) Cognizable and bailable
- (d) Non-cognizable and non-bailable

प्र.क्र.79 राजस्व मामलों में, राजस्व मण्डल के निर्णय के विरुद्ध अपील होगी :-

- (अ) उच्च न्यायालय को
- (ब) प्रधान जिला न्यायाधीश को
- (स) प्रमुख सचिव, राजस्व को
- (द) उपर्युक्त में से किसी को नहीं

Que. In revenue matters, appeal against the decision of Board of Revenue shall lie to :-



- (a) High Court
- (b) Principal District Judge.
- (c) Principal Secretary, Revenue
- (d) None of the above

प्र.क्र.80 कोई व्यक्ति किसी कृषिभूमि को स्वयं के पास अधिकतम ..... के लिए भोग बंधक रख सकता है :-

- (अ) 3 वर्ष
- (ब) 5 वर्ष
- (स) 6 वर्ष
- (द) 12 वर्ष

Que. A person may retain any agricultural land under usufructuary mortgage for the maximum period of

- (a) 3 years
- (b) 5 years
- (c) 6 years
- (d) 12 years

### **M.P. Accommodation Control Act**

प्र.क्र.81 अधिनियम की धारा 12 (1)(ग) के अर्थ में निष्कासन "स्वत्व से इन्कारी" के आधार पर आकर्षित करने हेतु मानने के लिये अभिधारी को :-

- (अ) दावाकृत परिसर में स्वयं का स्वत्व बताया चाहिये।
- (ब) अन्य व्यक्ति में स्वत्व स्थापित करना चाहिये।
- (स) स्वामी के स्वत्व को सदभावना पूर्वक अस्वीकार करना चाहिये।
- (द) (अ) एवं (ब) दोनों

Que. In terms of Section 12 (1)(C) of the Act, to attract ejectment on the ground of 'denial of title', the tenant should have:-

- (a) asserted title of the suit premises in himself
- (b) set up title in a third person
- (c) denied landlord's title bonafidely
- (d) Both (a) and (b)

प्र.क्र.82 म.प्र. स्थान नियंत्रण अधिनियम की किस धारा के अंतर्गत भू-स्वामी के पक्ष में आधिपत्य का आदेश पारित होने के पश्चात् अभिधारी कब्जा प्राप्त दो वर्ष में कर सकता है-

- (अ) धारा 13
- (ब) धारा 17
- (स) धारा 23
- (द) धारा 25

Que. Under which provisions of MP Accommodation Control Act, the tenant may recover possession within two years after order of

possession passed in favour of Landlord.

- (a) Section 13
- (b) Section 17
- (c) Section 23
- (d) Section 25

प्र.क्र.83 धारा 23-ज में क्या शामिल नहीं है :-

- (अ) विधवा
- (ब) तलाकशुदा स्त्री
- (स) दिव्यांग
- (द) अनपढ़ व्यक्ति

Que. Which is not included in Section 23-J of the Act

- (a) A widow
- (b) A divorced wife
- (c) Physically handicapped person
- (d) Illiterate person

प्र.क्र.84 जहां कोई भूमि स्वामी किसी ऐसे भवन में जो किसी अभिधारी को भाड़े पर दे दिया गया हो, कोई अतिरिक्त संरचना का निर्माण करने की प्रस्थापना करता है और वह अभिधारी, भूमि स्वामी को अतिरिक्त संरचना संनिर्मित करने की मंजूरी नहीं देता, तो ऐसे विवाद का प्रतितोषण किस न्यायालय/प्राधिकारी के अधिकार क्षेत्र के भीतर है-

- (अ) सिविल न्यायालय वरिष्ठ खण्ड।
- (ब) जिला न्यायाधीश का न्यायालय।
- (स) कलेक्टर।
- (द) भाड़ा नियंत्रक प्राधिकारी।

Que. Where the landlord proposes to construct any additional structure on the building which has been let to a tenant and the tenant refuses to allow the landlord to construct such additional structure, then redressal of such dispute lies within the jurisdiction of which Court/Authority-

- (a) Civil Court Senior Division.
- (b) Court of District Judge.
- (c) Collector.
- (d) Rent Control Authority.

प्र.क्र.85 अध्याय 3-क मध्यप्रदेश स्थान नियंत्रण अधिनियम 1961 के अधीन भाड़ा नियंत्रिक प्राधिकारी द्वारा पारित किये गये आदेश के विरुद्ध-

- (अ) मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय को अपील होगी।
- (ब) जिला न्यायाधीश के न्यायालय को अपील होगी।
- (स) उच्च न्यायालय के समक्ष पुनरीक्षण की जा सकेगी।
- (द) कलेक्टर के समक्ष पुनरीक्षण की जा सकेगी।

Que. What lies against the order passed by the Rent Controlling Authority under Chapter III-A of Madhya Pradesh Accommodation Control Act,

1961-

- (a) Appeal to Madhya Pradesh High Court.
- (b) Appeal to the Court of District Judge.
- (c) Revision before High Court.
- (d) Revision before Collector.

### Medical Jurisprudence

प्र.क्र.86 'ग्रीवा शिरा' शरीर के किस भाग में स्थित है ?

- (अ) खोपड़ी
- (ब) गर्दन
- (स) घुटना
- (द) अग्रभुजा

Que. In which part of the body 'Jugular vein' is situated

- (a) Skull
- (b) Neck
- (c) Knee
- (d) Forearm

प्र.क्र.87 क्या मृत्यु गला दबाकर कारित की गयी थी--

- (अ) गले में लिगेचर मार्क से पता की जा सकती है।
- (ब) केवल लिगेचर मार्क से पता नहीं चल सकता।
- (स) मोटे व्यक्ति के गले पर लिगेचर मार्क पूर्णतः अंकित नहीं होता, जिससे पता नहीं चल सकता कि मृत्यु गला दबाकर कारित की गयी।
- (द) अन्य चिन्हों या लिगेचर मार्क के साथ शरीर के अंदर के टिशुज में हिंसा का प्रभाव देखने से पता चल सकता है कि मृत्यु गला दबाकर कारित की गयी थी।

Que. Whether the death was caused by strangulation-

- (a) can be known by the ligature mark on the neck.
- (b) can not be known only by ligature mark.
- (c) the ligature mark does not figure out completely on the neck of stout person, by which it can not be known that the death was caused by strangulation.
- (d) it is known by other marks or ligature mark along with observing the effect of violence in internal tissues of the body that the death was caused by strangulation.

प्र.क्र.88 निम्न में से कौन सा मृत्यु का संकेत नहीं है :-

- (अ) त्वचा में परिवर्तन
- (ब) शरीर का ठण्डा पड जाना
- (स) मांसपेशियों में खिंचाव आना
- (द) आंख में परिवर्तन आना

Que. Which among the following is not sign of death :-

- (a) Changes in the skin
- (b) Cooling of the body
- (c) Contraction of the muscles
- (d) Change in the eye

प्र.क्र.89 दयामृत्यु को हमारे देश में स्वीकृति मिलनी चाहिए के बिन्दु पर निम्नलिखित में कौन सा अग्रनिर्णय है :-

- (अ) अरुणा रामचंद्र शानबाग वि भारत संघ
- (ब) श्रीमती ज्ञान कौर वि पंजाब राज्य
- (स) चरणलाल साहू वि भारत संघ
- (द) विक्रमदेव सिंह तोमर वि बिहार राज्य

Que. Which of the following is a leading case on the point that passive euthanasia should be permitted in our country :-

- (a) Aruna Ramchandra Shanbag V Union of India
- (b) Smt Gian Kaur Vs State of Punjab
- (c) Charanlal Sahu Vs Union of India.
- (d) Vikramdeo Singh Tomar Vs State of Bihar

प्र.क्र.90 "डेमेनेसिया प्रिकॉक्स" को अब सामान्यतः जाना जाता है :-

- (अ) पार्किंसन डिजीज
- (ब) आर्टिरियल डिस्ऑर्डर
- (स) सिजोफ्रेनिया
- (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

Que. "Dementia Praecox" is now commonly known as :-

- (a) Parkinson's disease
- (b) Arterial disorder
- (c) Schizophrenia
- (d) none of the above

### **Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012**

प्र.क्र.91 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के उपबंध तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के उपबंधों के किसी असंगति की दशा में—

- (अ) अन्य विधि के उपबंध मान्य किये जाएंगे।
- (ब) उक्त स्थिति में किसी अन्य विधि के उपबंध लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के उपबंधों के अल्पीकरण में होंगे।
- (स) तत्समय प्रवृत्त अन्य विधि के उपबंध अतिरिक्त उपबंध होंगे।
- (द) लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के उपबंध तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के उपबंधों के अतिरिक्त होंगे और असंगति की दशा में उस असंगति की सीमा तक लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के उपबंध अध्यारोही प्रभाव रखेंगे।



- Que. In case of any inconsistency in the provisions of Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012 and the provisions of any other law enforceable for the time being -
- provisions of other law shall prevail.
  - the provisions of any other law shall be in derogation of the provisions of Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012.
  - the provisions of other law enforceable for the time being shall be additional provisions.
  - in case of any inconsistency, the provision of Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012 shall have overriding effect on the provisions of any such law to the extent of such inconsistency.

प्र.क्र.92 विशेष न्यायालय द्वारा बालक की साक्ष्य लेखबद्ध की जायेगी :-

- संज्ञान पश्चात 10 दिन में
- संज्ञान पश्चात 30 दिन में
- संज्ञान पश्चात 60 दिन में
- संज्ञान पश्चात 90 दिन में

Que. The evidence of the child shall be recorded by the special court

- Within 10 days after cognizance
- Within 30 days after cognizance
- Within 60 days after cognizance
- Within 90 days after cognizance

प्र.क्र.93 इस अधिनियम के अंतर्गत बालक का कथन लेखबद्ध किया जायेगा :-

- बालक के निवास पर
- बालक की पसंद के स्थान पर
- ए अथवा बी में से कहीं पर भी
- उपरोक्त में से किसी स्थान पर नहीं

Que. Under this Act, the statement of child shall be recorded :-

- At the residence of the child
- At the place of his choice
- At any place either a or b
- Not at any place given above

प्र.क्र.94 पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत विशेष न्यायालय अपराध का संज्ञान ले सकेगा :-

- मजिस्ट्रेट द्वारा विचारण के लिये मामला सुपुर्द किये जाने के उपरांत
- ऐसे अपराध का गठन करने वाले तथ्यों का परिवाद प्राप्त होने पर या ऐसे तथ्यों की पुलिस रिपोर्ट पर अभियुक्त को विचारण के लिये सुपुर्द किये बिना।
- केवल पुलिस रिपोर्ट के आधार पर
- उपरोक्त में से कोई नहीं।

- Que. Under the POCSO Act the special court can take the cognizance of the offence :-
- (a) After the committal of case by the Magistrate for the trial.
  - (b) On receiving the complaint with facts constituting an offence under the act or upon police report even without the accused being committed to it for trial.
  - (c) Only on the basis of Police Report.
  - (d) None of the above.

प्र.क्र.95 पॉक्सो अधिनियम में मीडिया के लिये प्रक्रिया को प्रावधानित किया है :-

- (अ) धारा 22
- (ब) धारा 23
- (स) धारा 24
- (द) धारा 25

- Que. The Procedure for the media as been provided in the POCSO Act under :-
- (a) Section 22
  - (b) Section 23
  - (c) Section 24
  - (d) Section 25

### **Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015**

- प्र.क्र.96 अभिकथित विधि का उल्लंघन करने वाले बालक को किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 12 के अंतर्गत जमानत पर नहीं छोड़ा जावेगा
- (अ) उस व्यक्ति को छोड़े जाने से यह संभाव्य है कि उसका संसर्ग किसी ज्ञात अपराधी से होगा।
  - (ब) छोड़े जाने से उक्त व्यक्ति नैतिक, शारीरिक या मनोवैज्ञानिक रूप से खतरे में पड़ जावेगा।
  - (स) उस व्यक्ति को छोड़े जाने से न्याय का उद्देश्य विफल हो जाएगा।
  - (द) उपयुक्त सभी परिस्थितियों में

- Que. The child alleged to be in conflict with law shall not be released on bail under section 12 of Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015 if-
- (a) release is likely to bring that person into association with any known criminal.
  - (b) release on bail expose the said person to moral, physical or psychological danger.
  - (c) the release of person would defeat the ends of justice.
  - (d) in all above circumstances.

प्र.क्र.97 इस अधिनियम के अंतर्गत छोटे अपराधों की जांच हेतु अधिकतम अवधि है :-

- (अ) 4 माह
- (ब) 6 माह
- (स) 8 माह
- (द) 1 वर्ष

Que. Maximum period for enquiry related to petty offences is

- (a) 4 Month
- (b) 6 Month
- (c) 8 Month
- (d) 1 Year

प्र.क्र.98 किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 94 के अंतर्गत किस दस्तावेज को किशोर की उम्र निर्धारण हेतु विचार में नहीं लिया जा सकता ?

- (अ) विद्यालय का जन्म-प्रमाण पत्र
- (ब) निगम या नगर पालिका प्राधिकारी द्वारा दिया गया जन्म प्रमाण-पत्र
- (स) ऑसीफिकेशन परीक्षण
- (द) स्थानीय सभासद के द्वारा जारी प्रमाण-पत्र

Que. Which documents cannot be considered for determining the age of juvenile under section 94 of Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015.

- (a) Date of birth certificate from school.
- (b) Birth certificate given by corporation or municipal authority.
- (c) Ossification test.
- (d) The certificate issued by local councillor.

### **Chapter 11 i.e. section 65 to 79A of Information Technology Act, 2000**

प्र.क्र.99 किस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने हाल में निदेशित किया है कि किसी भी नागरिक को धारा 66A के अंतर्गत अभियोजित नहीं किया जावे क्योंकि प्रावधान को पूर्व में ही श्रेया सहगल के मामले में वर्ष 2015 में असंवैधानिक अवधारित किया गया है।

- (अ) सतबीर सिंह और अन्य वि. हरियाणा राज्य
- (ब) पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टी वि. भारत संघ
- (स) मोती लाल वि. म.प्र. राज्य
- (द) झारखण्ड राज्य वि. शैलेन्द्र कुमार राय उर्फ पांडव राय

Que. In which case, the Supreme Court has recently directed that no citizen is to be prosecuted under section 66A because provision has already been in case of Shreya Singhal held to be unconstitutional in 2015.

- (a) Satbir Singh and another v. State of Haryana
- (b) People's Union for civil Liberties v. Union of India
- (c) Moti Lal v. State of M.P.
- (d) State of Jharkhand v. Shailender Kumar Rai alias Pandav Rai

प्र.क्र.100 कम्प्यूटर से संबंधित किसी व्यक्ति की आई-डी या पासवर्ड की चोरी करने के लिये धारा 66-ग सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 में क्या प्रावधान किये गये हैं-

(अ) 3 वर्ष तक का कारावास और जुर्माने से जो रु. 1,00,000/- तक का हो सकेगा या दोनों।

(ब) 3 वर्ष तक का कारावास और जुर्माने से जो रु. 5,00,000/- तक का हो सकेगा या दोनों।

(स) 3 वर्ष तक का कारावास और जुर्माने से जो रु. 1,00,000/- तक का हो सकेगा।

(द) 3 वर्ष तक का कारावास और जुर्माने से जो रु. 5,00,000/- तक का हो सकेगा।

Que. Which penalty is provided u/s 66-C of Information Technology Act, 2000 for theft of Id or password of any person relating to computer-

(a) imprisonment upto 3 years and fine which may extend to Rs. 1,00,000/- or both.

(b) imprisonment upto 3 years and fine which may extend to Rs. 5,00,000/- or both.

(c) imprisonment upto 3 years and fine which may extend to Rs. 1,00,000/-.

(d) imprisonment upto 3 years and fine which may extend to Rs. 5,00,000/-.

-----XX-----